Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh

Date- Class - V
Subject - Hindi Literature Page - 1
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग भाग-5
पाठ-9 कठपुतलियों का संसार (2)

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ-9 'कठपुतलियों का संसार' कक्षा पाँचवी की हिन्दी साहित्य की पाठ्यपुस्तक नवतरंग भाग-5 की पृष्ठ संख्या - 70 में दिया गया है। यह पाठ आपको 10 अक्तूबर, 2021 को भेजा जाएगा।

प्यारे बच्चो! आज हम पाठ-9 'कठपुतलियों का संसार' का अगला भाग पढ़ेंगे। हमने पाठ के पिछले भाग में कठपुतलियों के इतिहास के बारे में जाना था। कठपुतली विश्व का प्राचीनतम रंगमंच पर खेला जाने वाला मनोरंजन का साधन है। यह लोककला राजस्थान की प्रसिद्ध लोककला है।

बच्चो! आज इस पाठ में हम आगे के पाठ के बारे में समझेंगे। शैली और शौर्य बड़े ध्यान से महिला कलाकार की बातें सुन रहे थे। साथ-साथ अपनी कठपुतलियों को भी सजा रहे थे। महिला कलाकार ने बच्चों से कहा, "तुमने तो कठपुतलियों को बहुत सुंदर पोशाक पहना दी। अब इन्हें गहने पहना दो, तो इनकी सुंदरता को चार चाँद लग जाएँगे।"

"ये कठपुतलियाँ हिलती-डुलती कैसे हैं?" - शौर्य जल्दी से अपने हाथ की कठपुतली को नचाने के लिए उतावला हो रहा था।

Scanned with CamScanner

_/_/_

Date - Class - V
Subject - Hindi Literature Page - 2
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

महिला कलाकार ने बच्चों को धागे दिए और कहा, "ये लो धागे। इन बारीक धागों से इन्हें बाँधते हैं। इनसे ही ये हिलती - डुलती और नाचती हैं। उन्होंने बच्चों को समझाया कि इनकी यह बारीक - सी डोर मंच के पीछे खड़े कलाकारों के हाथ में होती है, जो नाटक का मंचन करते हैं। कलाकार की उँगलियों का अनोखा संतुलन ही इनके हाव - भाव व्यक्त करने में असली जान डालता है और यह संतुलन अभ्यास से ही आता है। महिला कलाकार ने दोनों बच्चों की कठपुतलियों में धागे जोड़ने में सहायता की दोनों अपनी कठपुतलियों को देखकर फूले न समा रहे थे। तभी कार्यशाला का संचालक वहाँ आ पहुँचे। उन्होंने शैली और शौर्य की कठपुतलियों की बहुत सराहना की। तभी कार्यशाला में भाग ले रहे अन्य बच्चे भी अपनी - अपनी कठपुतलियाँ लेकर इकट्ठे हो गए।
संचालक ने बच्चों से कहा, "इस कार्यशाला में आप सबको उत्साह से भाग लेते देखकर बहुत खुशी हुई।
शैली ने पूछा, "संचालक महोदय, कठपुतली कला क्या केवल राजस्थान तक ही सीमित है?"
संचालक ने बच्चों को समझाया, "नहीं, उड़ीसा, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश आदि दूसरे राज्यों में भी कठपुतली की परंपरा है परन्तु इनके स्वरूप में थोड़ा अंतर है।
संचालक ने बच्चों को समझाया, "समय के साथ - साथ हर चीज़ में बदलाव आता है। इस कला में भी अब खासे बदलाव देखे जा रहे हैं। आज इनके द्वारा महिला शिक्षा, प्रौढ़ - शिक्षा जैसे विषयों पर

Scanned with CamScanner

_/_/_

Date- Class- V
Subject- Hindi Literature Page-3
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

आधारित कार्यक्रम और हास्य-व्यंग्य भी दिखाए जाते हैं। अब कठपुतली का तमाशा केवल मनोरंजन ही न रहकर शिक्षा कार्यक्रमों, रिसर्च, विज्ञापनों आदि के क्षेत्र में प्रचार का माध्यम है। यही नहीं, जिन क्षेत्रों में शिक्षा का प्रसार नहीं है, वहाँ सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता कठपुतली के तमाशे द्वारा बहुत प्रभावशाली ढंग से लाई जा सकती है।"

अंत में सब बच्चों का तमाशा दिखाने का समय था। कुछ बच्चों ने कलाकारों की मदद से एक सफ़ेद चादर टाँगी। एक तखत खड़ा किया। शैली और शौर्य अपनी-अपनी कठपुतलियाँ लेकर उसके पीछे खड़े हो गए। बाकी बच्चे तमाशा देखने के लिए सामने बिछाई गई दरी पर बैठ गए।

तालियों की गड़गड़ाहट के बाद कलाकार ने ढोलक पर थाप दी और तमाशा शुरु हो गया।

बच्चो! आज हमारा यह पाठ यहीं समाप्त हो गया है। अब मैं आपको अभ्यास के लिए कुछ प्रश्न दूँगी। आप इन प्रश्नों के उत्तर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न-1. कार्यशाला में बच्चों को कठपुतलियाँ बनाते देखने कौन आया था?

प्रश्न-2. कठपुतली कला राजस्थान के अलावा और कहाँ की परंपरा है?

प्रश्न-3. कठपुतली कैसे नाचती है?

प्रश्न-4. बच्चों ने अपनी कठपुतलियों के क्या नाम रखे थे?

Scanned with CamScanner

_/_/_

Date - Class- V
Subject- Hindi Liberature Page-4
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

बच्चो! अब मैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर बताऊँगी। जिनका आप अपने उत्तरों के साथ मिलान करेंगे।

उत्तर-1. कार्यशाला के संचालक

उत्तर-2. कठपुतली कला राजस्थान के अलावा उड़िसा, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों की भी परंपरा है।

उत्तर-3. कठपुतली बारीक धागों की सहायता से हिलती-डुलती और नाचती हैं।

उत्तर-4. बच्चों ने अपनी कठपुतलियों के नाम गुलाबो और सिताबो थे।

गृह कार्य :-

- बच्चो! आप इस पाठ के पृष्ठ-74 पर आए शब्द अर्थ याद करेंगे।
- आप इस पाठ के पाठ बोध के प्रश्न-1 के अंतर्गत आए प्रश्न-उत्तर करने की कोशिश करेंगे।

धन्यवाद!

Last page.

Scanned with CamScanner